बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार



राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो अनिल जेटली के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। श्री जेटली ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय



के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी मधु जेटली को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग—अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है। इस कार्यक्रम में रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, रिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी

हनुमान चालीसा पार मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

गुरुग्राम, एमके अरोड़ा (पंजाब केसरी): पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा शुरु को गई हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत समाजसेवी अनिल जेटली के आवास पर उनकी सुपुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। गजेंद्र गोसाई ने सुंदर कांड का पाठ किया, जिसके बाद कार्यक्रम में शामिल 150 से अधिक लोगों ने 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी मध् जेटली के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वह घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वह घर भी धन्य है जिसमें बहू को बेटी के रुप में स्वीकार किया जाता है। ससुराल में पुत्रवधू को भी बेटी का दर्जा दिया जाना चाहिए।उन्होंने सुंदरकांड, तुलसीकृत रामायण और हनुमान चालीसा पाठ महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं।



हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

समाजसेवी अनिल जेटली की पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इसमें करीब 150 लोगों ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया।

इस अवसर पर बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी पत्नी मध् जेटली को बधाई दी। बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि



हनुमान चालीसा पाठ में भाग लेते बोधराज सीकरी व अन्य श्रद्धालु।

हिंसा नहीं थी क्या। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। उन्होंने कहा कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। आज के बच्चों को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा। बोधराज सीकरी ने

भगवान राम ने हिरण को मारा, वह कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी, उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस बार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाउ हो चुके हैं।



हनुमान चालीसा पाट मुहिम का आंकड़ा हुआ ५ लाख ५२ हजार पार

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

समाजसेवी अनिल जेटली की पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इसमें करीब 150 लोगों ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया।

इस अवसर पर बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी पत्नी मधु जेटली को बधाई दी। बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की



जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा, वह हिंसा नहीं थी क्या। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। उन्होंने कहा कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। आज के बच्चों को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा। बोधराज सीकरी ने कहा कि में प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी, उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस बार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठीसा पाठ हो चुके हैं।

इस कार्यक्रम में रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे।



प्रभु श्री राम और हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए <mark>अनुकरणीय</mark>

गुड़गांव, 15 फरवरी (ब्यूरो): मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो अनिल के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ।

अनिल जेटली ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई



मधु जेटली के साथ बोधराज सीकरी।

मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है।

वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। विजय टन्डन और रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया।

उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 25 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली और उनकी पत्नी मधु जेटली को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा 5.52 लाख पार

हैं तो वो घर भी धन्य है।

बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया।

कार्यक्रम में रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे।



हनुमान चालीसा पाट का आंकड़ा हुआ ५ लाख ५२ हजार के पार

अमर भारती ब्यूरो।

गुरुग्राम। मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जी के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया।

तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमित मधु जेटली जी को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो



घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। इस कार्यक्रम में श्री रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे।



हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार



गुरुग्राम। समाजसेवी अनिल जेटली की पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इसमें करीब 150 लोगों ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया। इस अवसर पर बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी पत्नी मधु जेटली को बधाई दी। बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-

अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा, वह हिंसा नहीं थी क्या। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। उन्होंने कहा कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। आज के बच्चों को अगर

संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा। बोधराज सीकरी ने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी, उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस बार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

राष्ट्रीय देनिक मन्त्र वस्त्र विषय प्रमान हम करे, ये अर्थ क्य बुद्ध जिसे वेशन खुद्ध करें। प्राचीतिक प्रमान हम करें, ये अर्थ क्य बुद्ध जिसे वेशन खुद्ध करें। प्राचीतिक प्रमान हम करें, ये अर्थ क्य बुद्ध जिसे वेशन खुद्ध करें। प्राचीतिक प्रमान हम करें, ये अर्थ क्य बुद्ध जिसे वेशन खुद्ध करें। प्राचीतिक प्रमान हम करें, ये अर्थ क्य बुद्ध जिसे वेशन खुद्ध करें। प्राचीतिक प्रमान हम करें, ये अर्थ क्य बुद्ध जिसे वेशन खुद्ध करें।

प्रमु श्री राम का जीवन और हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा ५ लाख ५२ हजार पार

जगत क्रान्ति 🕪 एमके अरोड़ा

गुरुग्राम: पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा शुरु की गई हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत समाजसेवी अनिल जेटली के आवास पर उनकी सुपुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। गजेंद्र गोसाई ने सुंदर कांड का पाठ किया, जिसके बाद कार्यक्रम में शामिल 150 से अधिक लोगों ने 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया।

बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी मधु जेटली के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वह घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वह घर भी धन्य है जिसमें बहू



को बेटी के रूप में स्वीकार किया जाता है। ससुराल में पुत्रवधू को भी बेटी का दर्जा दिया जाना चाहिए। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को

सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। इस अवसर पर रमेश कामरा, द्वारका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा आदि उपस्थित रहे। राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारशे

प्रभु श्रीराम का जीवन और प्रभु हनुमान की भवित युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

भारत सारथी

गुरुग्राम। मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जी के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमति मध् जेटली जी को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बह बनकर आती है।तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य हैं। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया।

उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो



बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका बोधराज सीकरी और आध्यातीमक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रूप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। तो आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना

होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विप्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभू का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे

लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है।

कल जैकवपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। विजय टन्डन और रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.सब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज के सहयोग से, मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जुम के माध्यम से लगभग 25 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। इस कार्यक्रम में रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे ।



बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाढ मुहिम का आंकड़ा हुआ ५ लाख ५२ हजार पार

एमके अरोड़ा, भरोसा मित्र

गुरुग्राम। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा शुरु की गई हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत समाजसेवी अनिल जेटली के आवास पर उनकी सुपुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। गजेंद्र गोसाई ने सुंदर कांड का पाठ किया, जिसके बाद कार्यक्रम में शामिल 150 से अधिक लोगों ने 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी मधु जेटली के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वह घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वह घर भी धन्य है जिसमें बहू को बेटी के रुप में स्वीकार किया जाता है। संसुराल में पुत्रवधू को भी बेटी का दर्जा दिया जाना चाहिए। उन्होंने सुंदरकांड, तुलसीकृत रामायण और हनुमान चालीसा पाठ महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे



प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी

प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए है अनुकरणीय

न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। तो आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विप्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा

था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है। उन्होंने बताया कि जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11, जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में 40 छात्रों ने 21-21, जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5, वीके रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 तथा ज्योत्सना बजाज के सहयोग से जूम ऐप पर 25 महिलाओं ने 11-11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39 हजार 773 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। इस अवसर पर रमेश कामरा, द्वारका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा आदि उपस्थित रहे।

दैनिक राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र उजाता आज तक

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ ५ लाख ५२ हजार पार

प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

गुरुग्रामं भगत प्रामी उज्ञाला आज तक हनुयान बालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो अवयोजन हुआ यो अनिल के निवास स्थान पर उनको पुत्री के विखाद से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली ने बड़े भाव, यह प्रेम, बड़ी बढ़ा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 में अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले वर्जेंद्र गोसाई ने स्थाम मौंदर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तथेपरात 11 बार गानको के साथ, लग के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुयान चालीसा पाठ का पठन किया और अतिम पाठ बड़ी ब्रह्म से लोनों को नृत्य के साथ करवाया। तदीपरांत बोधएज सीकरी ने सार्वप्रथम अनिल जेटली और मध जेटली को बधाई दी और बताया कि वी घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाओं से क्रमावन करता है और से घर भी धना है जिनके घर में कन्या नहीं है खशतें उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बह बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो जो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज खोकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलखेकृत रामायण कर महत्व और हतुमान च्छलीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पोड़ी को समझ्या।

उन्होंने आमे बताया कि अहन के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर जोधराज सीकरी ने आध्यात्मक और वैज्ञानिक रहिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बतर्द । जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको चताकर के और युख पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताबा कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिल ासु हो जाएने वो दिन दूर नहीं जब आपके



सामने कृष्ण किसी व किसी रूप में आकर - संस्कारवान चनना है तो प्रन्तों की और आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण जाना होया, वेदों की ओर जाना होगा और मध्यम में, किसी विश्वत के मध्यम में, करें। तो आज के बच्चे को अगर

के माध्यम से का किसी भी उचित जाता के अपने मन की जिलाखाओं को माता पिता किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं

का निवारण करना डोगा। यदि हम अपने इन्जों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विशव गुरू बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उनानि कुवा पीढ़ी की यंबेचित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रथ का आधार प्रकट करता है कि जो मैंन मुडिम लगभग । साल पहले शुरू की धी उसका 1 वर्ष अगले गणाह 21 फरवरी को पुरा होने जाला है। पहले खेला था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जो ने आजा नहीं थे, अभी क्या तक मुहिम चलेगी ये ईस्वर इच्छा है। जेकन्यपरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इसी प्रकार जनता रिटेबिलिटेशन सेंटर में विवले कई मंगलबार से बोधराज सोकरी की अपूर्वाई में जो इनुमान चालीसा पाठ यान रहा है। यहां भी 40 विद्याधियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में थी 35 सावकों ने 5-5 बार पाट किया। विजय टन्डन और रणधीर टन्डन की फेस्टरी खे.के.रच प्लास्ट के 70

कर्मचरियों ने 2-2 बार फट किया। इसके अतिरिक्त पंजाबों विरादरी महा संगठन को महिला प्रकाष्ट को संयोजिका न्देत्यना बजाज के सहयोग से, मंगलवार के दिन जहाँ-जहाँ भी हनुमान चालीसा कर यात हो रहा है। उसके अतिरक्त जुम के माध्यम से लगभग 25 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे महले 212 स्थानों पर इनुमान चालोसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस मंगलकार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीमा पाठ हो चुके हैं। इस कार्यक्रम में रमेश कामरा, द्वारिका नाव, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बनाज, वृधिष्टिर अलमादी, रूपेश चौधरी, सुखदेव, न्द्रोत्सन बजाज, रचन बजाज, सिमान बजात, पुष्पा नामा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा च अन्य जन उपनिधन रहे।

दैनिक मेवात

प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

- दैनिक मेवात संवाददाता गुरुग्राम। दिनांक 13 फरवरी 2024 मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जी के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 15 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायको के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमति मधु जेटली जी को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। किसी रूप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विप्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण



देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है। कल जैकवपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। श्री विजय टन्डन और श्री रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज के सहयोग से, मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 25 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। इस कार्यक्रम में श्री रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे।



समाज सेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में लगातार सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ अभियान का आंकड़ा अब 5 लाख 52 हजार के पार हुआ



गुडगांव (प्राण शर्मा) डिजिटल भास्कर पत्रिका न्यूज़। हर बार मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जी के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। जजमान अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बडी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमित मधु जेटली जी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वो घर धन्य है। जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है। और वो घर भी धन्य है। जिनके घर में कन्या नहीं है। बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं। तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं।उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे। वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रूप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करेंगे। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है। तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा। वेदों की ओर जाना होगा। अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता



बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए है अनुकरणीय

- बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा शुरु की गई हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत समाजसेवी अनिल जेटली के आवास पर उनकी सुपुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। गजेंद्र गोसाई ने सुंदर कांड का पाठ किया, जिसके बाद कार्यक्रम में शामिल 150 से अधिक लोगों ने 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी मधु जेटली के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वह घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वह घर भी धन्य है जिसमें बहू को बेटी के रुप में स्वीकार किया जाता है। ससुराल में पुत्रवधू को भी बेटी का दर्जा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने सुंदरकांड, तुलसीकृत रामायण और हनुमान चालीसा पाठ महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया।



आयोजन को संबोधित करते बोधराज सीकरी।

इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। तो आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की

ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित जाता के माध्यम से, किसी विप्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है। उन्होंने बताया कि जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11, जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में 40 छात्रों ने 21-21, जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5, वीके रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 तथा ज्योत्सना बजाज के सहयोग से जूम ऐप पर 25 महिलाओं ने 11-11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39 हजार 773 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलांकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। इस अवसर पर रमेश कामरा, द्वारका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा आदि उपस्थित रहे।



बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

ओपन सर्चे/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुव्राम। कल दिनांक 13 फरवरी 2024 मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जो के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रदा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गर्जेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायको के साथ,

करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमति मधु जेटली जी को बधाई दो और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती हैं। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञास्



आध्यात्मिक और वैज्ञानिक तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा,

है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी

वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विप्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पुरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी लय के साथ, सुर के साथ, संगीत बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। चरणामृत को कैसे लेना चाहिए न किसी रूप में आकर आपकी सारी हनुमान जी ने आजा नहीं दी, अभी के साथ हनुमान चालीसा पाठ का उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों जिज्ञासाओं का निवारण करें। तो कब तक मुहिम चलेगी येईश्वर इच्छा पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी का निवारण किया कि भगवान राम के रहस्य हैं उनको बताकर के और आज के बच्चे को अगर संस्कारवान है। कल जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया।

ज्योति दर्पण

प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भवित युवाओं के लिए अनुकरणीय है : **बोधराज सीकरी**



गरुग्राम। मंगलवार के दिन हनुमान चहलीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर जेटली जो ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का बडी श्रद्ध से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गर्नेड गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का गायको के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदापरात बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जो और उनकी श्रीमति मध्

हाथों से कन्यादान करता है और वो धर भी धन्य है जिनके धर में कन्य अनिल जो के निवास स्थान पर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित - उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल तो वो घर भी धना है। उसके उपरांत महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को

उन्होंने आगे बताया कि आज के आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार - कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों को जिज्ञासाओं का निकाण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या जो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यत्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को जेटली जो को बधाई दी और बताया - कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई।

जितने भी ग्रन्थों के ग्रहस्य हैं उसको बताकर के और युवा पोड़ी को सम्बंधित करते हुए बंताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो। जाएंगे को दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रूप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निजारण करें। तो आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थी की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित जाता के माध्यम से. किसी विप्रवर के माध्यम से. किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन

यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम किरच गर बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उन्होंने चुवा पीड़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभू का आभार प्रकट करता है कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले संबंद 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका मुहिम चलेगी ये ईरचर इच्छा है।

ने 11-11 बार पाठ किया। इसी

पिछल कई मंगलकार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहाँ भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। श्री स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा विजय टन्डन और श्री रणधीर टन्डन 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो। की फैक्टरी बी.के.स्व प्लास्ट के 70 - चुके हैं। इस कार्यक्रम में श्री रमेश कर्मचरियों ने 2-2 बार पाठ किया। समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक संगठन की महिला प्रकोण्ड की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज कल जैकअपूरा में 150 साधकों के सहयोग से, मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का प्रकार जातना विवैक्षितिनरेशात होरर हो । पात हो रहा है। तहके अतिविक्ष जहा

के माध्यम से लगभग 25 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेज, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुत्रा नासा, योगेश, लोल् बुद्धिराजा व अन्य जन

311512415

हनुमान चालीसा पाट मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार



गुरुग्राम। समाजसेवी अनिल जेटली की पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इसमें करीब 150 लोगों ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया। इस अवसर पर बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी पत्नी मधु जेटली को बधाई दी। बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाढ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा, वह हिंसा नहीं थी क्या। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। उन्होंने कहा कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। आज के बच्चों को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा। बोधराज सीकरी ने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी, उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11–11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाढ 39,773 साधकों ने किए थे। इस बार के पाढ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।



हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार



व्यूरो⁄गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 15 फरवरी। समाजसेवी अनिल जेटली की पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इसमें करीब 150 लोगों ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया।

इस अवसर पर बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी पत्नी मधु जेटली को बधाई दी। बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हन्मान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी

पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा, वह हिंसा नहीं थी क्या। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया।

उन्होंने कहा कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रूप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। आज के बच्चों को अगर सांस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा।

बोधराज सीकरी ने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी, उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस बार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

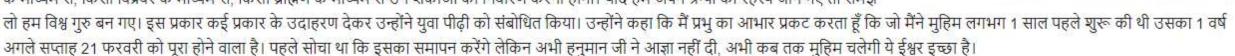


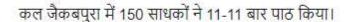
बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। दिनांक 13 फरवरी 2024 मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जी के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमित मधु जेटली जी को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया।

उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। तो आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विग्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ





इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया।

इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया।

श्री विजय टन्डन और श्री रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी के रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया।

इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज के सहयोग से, मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 25 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया।

इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे।

इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

इस कार्यक्रम में श्री रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा व अन्य जन उपस्थित रहे।





प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार



प्रभु श्री राम का जीवन और प्रभु हनुमान की भक्ति युवाओं के लिए अनुकरणीय है : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। कल दिनांक 13 फरवरी 2024 मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत जो आयोजन हुआ वो श्री अनिल जी के निवास स्थान पर उनकी पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हुआ। अनिल जेटली जी ने बड़े भाव, बड़े प्रेम, बड़ी श्रद्धा से आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया और पहले श्री गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार गायकी के साथ, लय के साथ, सुर के साथ, संगीत के साथ हनुमान चालीसा पाठ का पठन किया और अंतिम पाठ बड़ी श्रद्धा से लोगों को नृत्य के साथ करवाया। तदोपरांत बोधराज सीकरी ने सर्वप्रथम अनिल जेटली जी और उनकी श्रीमित मधु जेटली जी को बधाई दी और बताया कि वो घर धन्य है जिसमें पिता अपने हाथों से कन्यादान करता है और वो घर भी धन्य है जिनके घर में कन्या नहीं है बशर्ते उनके घर में दूसरे घर की बेटी जब बहु बनकर आती है। तो उसको यदि सुपुत्री के समान रखते हैं तो वो घर भी धन्य है। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया।

उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनके उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा क्या वो हिंसा नहीं है। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इसी प्रकार चरणामृत को कैसे लेना चाहिए इसकी विधि बताई। जितने भी ग्रन्थों के रहस्य हैं उनको बताकर के और युवा पीढ़ी को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। तो आज के बच्चे को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा और अपने मन की जिज्ञासाओं को माता पिता के माध्यम से या किसी भी उचित ज्ञाता के माध्यम से, किसी विग्रवर के माध्यम से, किसी ब्राह्मण के माध्यम से उन शंकाओं का निवारण करना होगा। यदि हम अपने ग्रन्थों का रहस्य जान गए तो समझ लो हम विश्व गुरु बन गए। इस प्रकार कई प्रकार के उदाहरण देकर उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। पहले सोचा था कि इसका समापन करेंगे लेकिन अभी हनुमान जी ने आज्ञा नहीं दी, अभी कब तक मुहिम चलेगी ये ईश्वर इच्छा है।

कल जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया।

इसी प्रकार जनता रिहैबिलिटेशन सेंटर में पिछले कई मंगलवार से बोधराज सीकरी की अगुवाई में जो हनुमान चालीसा पाठ चल रहा है। वहां भी 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार पाठ किया।

इसी प्रकार जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में भी 35 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया।

श्री विजय टन्डन और श्री रणधीर टन्डन की फैक्टरी वी.के.रब प्लास्ट के 70 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया।

इसके अतिरिक्त पंजाबी बिरादरी महा संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती ज्योत्सना बजाज के सहयोग से, मंगलवार के दिन जहां-जहां भी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है। उसके अतिरिक्त जूम के माध्यम से लगभग 25 महिलाओं ने 11-11 बार पाठ किया।

इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे।

इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

इस कार्यक्रम में श्री रमेश कामरा, द्वारिका नाथ, जगदीश रखेजा, राजेंद्र बजाज, युधिष्ठिर अलमादी, रुपेश चौधरी, सुखदेव, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, पुष्पा नासा, योगेश, लीलू बुद्धिराजा, योगेश गंभीर अन्य जन उपस्थित रहे।